

ॐ नमः श्रीने यात्माः
गयहा ने यात्मा द ये
हं द ट वा उं नमा आ
हं हा के मा गु म हा वि
उं नमः ॐ नमः ॐ नमः

90

卷之四

महादेव शंभु नमो
वज्रविद्याभिनिषद्
मर्मप्रवृत्तिनाशिन्य
श्रीगुरुदेवदेव ॥
महादेव महादेव

ब्रह्म न भविष्यति यि भूया नाया कृत्वा गच्छति न जान भवम्
मानयोगि रूपा निज वज्र सुवज्रानि च भामहा वेयिका विविद्या पूरु
जात कतिने था भामा ह न ह म न म् य वि वि द्वा रं द नादि कं भवस्य
कर्म लक्ष्म न च म् न का वि ध को गुह्य भयार्थि नां कृ न वि श्रा वा
या सिद्धि वे स भ ध के न जयं नू व न न ह्या नाय वा सा वि धि य न भाम्

कृ म न रू वा सिद्धि इ वि स ह्यं वं दाम्य हं भाम म् न व म ह्य मा या दि य
च दू नू य कि रि भ ड न मा र ग व ह्य गु ष्ठ र्वा दि व ना य भ वा वा य क
गु दु य न भाम ता सिद्ध कृ गु जा नि नू य म हा सिद्ध भाने आत्मा द र्वा स
मा ना रि ध क व शो द क द भाम म् न यि व ना ऊ र्वा गु य श्रु कृ म वि म्
कि न यू न्ध वा दा व स जय न भाम् न आत्मा ध्या न भ ५ क म् न व म कृ

[illegible][illegible]

[illegible]